भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

05.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 765 का उत्तर

नांदेड़-लातूर, नांदेड-बीदर और बोधन-लातूर रेल लाइनों का निर्माण

765. डा. अजित माधवराव गोपछड़े :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नांदेड़-लातूर रेल लाइन (104 कि.मी.), नांदेड़-बीदर रेल लाइन, और बोधन-लातूर रेल लाइन (135 कि.मी.) के निर्माण कार्य में तेजी लाने की योजना बनायी है, यदि हाँ, तो इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) क्या केंद्र सरकार ने प्रस्तावित नांदेड़-बीदर रेल लाइन परियोजना के लिए अपने 50 प्रतिशत हिस्से के आवंटन हेतु कर्नाटक सरकार के साथ मामला उठाया है, क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने पहले ही अपने 50 प्रतिशत हिस्से का योगदान करने की सहमति दे दी है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख) उल्लिखित परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार है:

• नांदेड और लातूर रोड पहले ही परभणी के रास्ते वर्तमान रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, प्रत्यक्ष और वैकल्पिक संपर्कता प्रदान करने के लिए, नांदेड-लातूर रोड (104 किलोमीटर) नई लाइन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए इसके सर्वेक्षण को स्वीकृत कर दिया गया है। फील्ड सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है।

• नांदेड और बीदर पहले ही परभणी, परली वैजनाथ के रास्ते वर्तमान रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, प्रत्यक्ष और वैकल्पिक संपर्कता प्रदान करने के लिए, नांदेड-बीदर नई लाइन (157 किलोमीटर) का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया था। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और 2021 में लागत 2354 करोड़ रुपए आंकी गई है। परियोजना का संरेखण महाराष्ट्र राज्य (100.75 किलोमीटर) और कर्नाटक (56.3 किलोमीटर) में पड़ता है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के जन प्रतिनिधियों की बार-बार की गई मांगों के आधार पर राज्य सरकारों द्वारा 50% परियोजना लागत साझा करके और निःशुल्क भूमि प्रदान करके परियोजना को शुरू करने का निर्णय लिया गया। महाराष्ट्र राज्य सरकार भूमि की लागत

सहित परियोजना की 50% लागत वहन करने के लिए सहमत हो गई है। बहरहाल, कर्नाटक सरकार की सहमति की अभी भी प्रतीक्षा है।

• बोधन और लातूर रोड भी मुदखेड, परभणी के रास्ते वर्तमान रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। वैकल्पिक संपर्कता प्रदान करने के लिए, बोधन-लातूर रोड नई लाइन (135 किलोमीटर) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए इसके सर्वेक्षण को स्वीकृत कर दिया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों समेत विभिन्न हितधारकों से परामर्श करना और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय का मूल्यांकन आदि अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजना को स्वीकृति देना एक निरंतर चलने वाली और सतत प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन व अनुमोदन पर निर्भर करती है।

महाराष्ट्र

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	कमीशन किए गए नए औसत रेलपथ
2009-14	292 किलोमीटर	58.4 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	2,292 किलोमीटर	208.36 किलोमीटर प्रतिवर्ष (3 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 89,780 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 5,098 किलोमीटर लंबाई की 38 परियोजनाओं (11 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	11	1,355	234	10,504
आमान परिवर्तन	2	609	334	4,286
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	25	3,134	1,792	24,617
कुल	**38**	**5,098**	**2,360**	**39,407**

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 किलोमीटर)	4,670
2	मनमाड-जलगांव तीसरी लाइन (160 किलोमीटर)	2,574
3	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 किलोमीटर)	2,005
4	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 किलोमीटर)	1,512
5	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 किलोमीटर)	263
6	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 किलोमीटर)	330
7	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 किलोमीटर)	2,448
8	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 किलोमीटर)	673
9	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	325
10	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 किलोमीटर)	261
11	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और शुरू की गई कुछ मुख्य परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	अहिल्यानगर-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 किलोमीटर)	4,957
2	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 किलोमीटर)	1,844
3	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 किलोमीटर)	3,445
4	इंदौर-मनमाड नई लाइन (360 किलोमीटर)	18,529
5	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 किलोमीटर)	1,886
6	जालना-जलगांव नई लाइन (174 किलोमीटर)	5,804
7	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 किलोमीटर)	3,037
8	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (68 किलोमीटर)	1,433
9	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 किलोमीटर)	698
10	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	1,385
11	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 किलोमीटर)	2,450
12	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 किलोमीटर)	3,545
13	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 किलोमीटर)	1,137
14	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किलोमीटर)	2,574
15	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर)	3,285

इसके अलावा, पिछले तीन वित्त वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 8603 किलोमीटर कुल लंबाई वाले 98 सर्वेक्षण कार्यों (29 नई लाइन, 2 आमान परिवर्तन और 67 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है।

कर्नाटक

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	**परिव्यय**
2009-14	₹835 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹7,564 करोड़ (9 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान, कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:

अवधि	**कमीशन किए गए कुल रेलपथ**	**कमीशन किया गया औसत रेलपथ**
2009-14	565 किलोमीटर	113 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	1,671 किलोमीटर	152 किलोमीटर प्रतिवर्ष

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली वाली ₹42,517 करोड़ की लागत से 3,264 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 10 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सारांश इस प्रकार है:-

कोटि	**स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या**	**कुल लंबाई (किलोमीटर में)**	**मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)**	**मार्च, 2025 तक व्यय (₹ करोड़ में)**
नई लाइन	15	2,034	421	8,794
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	10	1,230	973	12,516
कुल	**25**	**3,264**	**1,394**	**21,310**

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	**परियोजना**	**लागत (करोड़ रुपए में)**
1	कोत्तूर-हरिहर नई लाइन (65 किलोमीटर)	468
2	हासन-बेंगलोर नई लाइन (167 किलोमीटर)	1290
3	बीदर-गुलबर्गा नई लाइन (110 किलोमीटर)	1543
4	शिवानी-होसदुर्ग रोड दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	50

5	शिवानी-बिरुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	143
6	होसदुर्ग-चिकजाजुर दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	260
7	रामनगरम-मैसूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (94 किलोमीटर)	998
8	यलहंका-चन्नासंद्रा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	108
9	यशवंतपुर-यलहंका दोहरीकरण (12 किलोमीटर)	95
10	नेत्रावती-मंगलौर सेंट्रल दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	28
11	कन्कनाडि-पनम्बूर दोहरीकरण (19 किलोमीटर)	350
12	अरसीकेरे-तुमकुर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	758
13	यलहंका-पेनुकोंडा दोहरीकरण (123 किलोमीटर)	1104
14	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3182
15	हुबली-चिकजाजुर दोहरीकरण (190 किलोमीटर)	1850

कर्नाटक में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जो शुरू की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	**परियोजना**	**लागत (करोड़ रुपए में)**
1	होसपेट-हुबली-लोंडा-वास्को-द-गामा दोहरीकरण (312 किलोमीटर)	4153
2	तोरणगल्लु-रंजीथपुरा दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	147
3	होटगी-गदग दोहरीकरण (284 किलोमीटर)	2459
4	गिणिगेरा - रायचूर नई लाइन (165 किलोमीटर)	3401
5	गदग - वाडी नई लाइन (257 किलोमीटर)	2842
6	बागलकोट - कुडची नई लाइन (142 किलोमीटर)	1649
7	तुमकुर - चित्रदुर्ग-रायदुर्ग नई लाइन (207 किलोमीटर)	2496
8	तुमकुर - दावणगेरे नई लाइन (182 किलोमीटर)	2142
9	कडूर - चिकमगलूर-बेलूर नई लाइन (68 किलोमीटर)	825
10	बैयप्पनहल्ली - होसुर दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	336
11	यशवंतपुर - चन्नासंद्रा दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	314

भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है: -

क्र. सं.	**परियोजना**	**अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)**	**अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)**	**अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)**
1	शिमोगा- राणिबेन्नुर नई लाइन (96 किलोमीटर)	559	226	333
2	बेलगाम - धारवाड नई लाइन (73 किलोमीटर)	581	0	581
3	शिमोगा - हरिहर नई लाइन	488	0	488

	(79 किलोमीटर)			
4	व्हाइटफील्ड-कोलार नई लाइन (53 किलोमीटर)	337	0	337
5	हासन-बेलूर नई लाइन (27 किलोमीटर)	206	0	206

कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति का सारांश इस प्रकार है:-

कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	9020 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	5679 हेक्टेयर (63%)
अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि	3341 हेक्टेयर (37%)

पिछले तीन वर्षों 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 7,239 किलोमीटर लंबाई को कवर करने वाले 65 सर्वेक्षण कार्यों (25 नई लाइन और 40 दोहरीकरण) को स्वीकृति दी गई है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम छोर तक संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का आवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ
- क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि

ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****